LiFE Lifestyle For Environment

वानिकी समाचार

वर्ष–16 सं. 06

जून 2024

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद

“एक पेंड़ मॉं के नाम” अभियान का उद्घाटन

- एक पेड़ मॉं के नाम के तहत, माननीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने दिनांक 21 जून 2024 को श्रीमती कुचन देवी, भा.व.से., महानिदेशक, भा.वा.अ.शिप., श्री जितेंद्र कुमार, वन महानिदेशक एवं विदेश सचिव, डॉ. रेणु सिंह, निदेशक व.अ.सं., वरिष्ठ अधिकारियों, विज्ञानिकों, केद्रिय राज्य वन सेवा अकादमी प्रशिक्षुओं और व.अ.सं., विश्वविद्यालय के छात्रों की उपस्थिति में “मातृ वन” का उद्घाटन किया तथा भा.वा.अ.शि.प.–वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून परिसर में रूद्राक्ष के पेड़ का रोपण किया गया।

अनुक्रमणिका	पृ.सं.
“एक पेड़ मॉं के नाम” अभियान का उद्घाटन	01
अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण दिवस	02
अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस	03
विश्व मरुस्थलीकरण एवं सूखा निवारण दिवस	04
मिशन लाईफ	05
महत्वपूर्ण अनुसंधान निष्कर्ष	06
परामर्शी	07
प्रदर्शनी में भागीदारी	07
कार्यशालॉए/सेमिनार/बैठकें	08
प्रशिक्षण कार्यक्रम	09
वन विज्ञान केंद्र के अंतर्गत की गई गतिविधियॉं	12
समझौता ज्ञापन	13
जागरुकता एवं प्रदर्शन कार्यक्रम	14
राजभाषा गतिविधि	16
संस्थानों का दौरा	16
विविध	17
मानव संसाधन समाचार	17

माननीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री भूपेंद यादव द्वारा एक पेड़ मॉं के नाम अभियान का उद्घाटन

अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण दिवस

- दिनांक 5 जून 2024 को भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् के मुख्यालय एवं इसके अधीनस्थ संस्थानों और केंद्रों में अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण दिवस मनाया गया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

- दिनांक 21 जून 2024 को भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् के मुख्यालय एवं इसके अधीनस्थ संस्थानों और केंद्रों में अंतराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी

भा.वा.अ.शि.प.–व.अ.सं.

भा.वा.अ.शि.प.–शु.व.अ.सं.

भा.वा.अ.शि.प.–हि.व.अ.सं.

भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं.

भा.वा.अ.शि.प.–उ.व.अ.सं.

भा.वा.अ.शि.प.–का.वि.प्रौ.सं.

भा.वा.अ.शि.प.–व.उ.सं.

भा.वा.अ.शि.प.–व.जै.वि.सं.

विश्व मरूस्थलीकरण एवं सूखा निवारण दिवस

- दिनांक 17 जून 2024 को भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् के अधीनस्थ संस्थानों और केंद्रो में वियव मरूस्थलीकरण एवं सूखा निवारण दिवस मनाया गया।

भा.वा.अ.शि.प.(मुख्यालय)

भा.वा.अ.शि.प.–व.अ.सं.

भा.वा.अ.शि.प.–शु.व.अ.सं.

भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं.

भा.वा.अ.शि.प.–उ.व.अ.सं.

भा.वा.अ.शि.प.–हि.व.अ.सं.

भा.वा.अ.शि.प.–व.उ.सं.

भा.वा.अ.शि.प.–व.जै.वि.सं.

मिशन लाईफ

- भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् के अधीनस्थ संस्थानों में "एक पेंड़ माँ के नाम" पर अनेक गतिविधियाँ आयोजित की गई।

महत्वपूर्ण शोध निष्कर्षण

भा.वा.अ.शि.प.- वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट

- दिनांक 7,11 और 12 जून 2024 को सताई बागान लोअर प्राइमरी स्कूल, हातीगढ़ मेटेली मेधी निम्न प्राथमिक विद्यालय और तिरिकुनिया नाडीपार निम्न प्राथमिक विद्यालय के 160 छात्रों ने अपने शिक्षकों के साथ भा.वा.अ.शि.प.–वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट का दौरा किया। उन्हें मिशन लाईफ कार्यक्रम महत्व के बारे में जागरूक किया गया और पर्यावरण परिरक्षण के लिए सतत् जीवन शैली अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

160 छात्रों के समूह ने भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं., जोरहाट का दौरा किया

भा.वा.अ.शि.प.-हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला

- भा.वा.अ.शि.प.–हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला ने दिनांक 13 जून 2024 को चुचोल, लेह, लदाख में "औषधीय पादपों की खेती एवं संरक्षण" पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम में कृषकों, युवा क्लब और महिलार मंडल के सदस्यों सहित 35 प्रतिभागियों ने प्रतभाग किया। उन्हें मिशन लाईफ के महत्व के बारे में जागरूक किया गया।

भा.वा.अ.शि.प.– हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला द्वारा "औषधीय पादपों की खेती एवं संरक्षण" पर प्रशिक्षण

भा.वा.अ.शि.प.-वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून

- बांस पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना– *डेंड्रोकैलेमस सिक्कीमेंसिस* के आकारिकीय लक्षणों को वन अनुसंधान संस्थान के बेम्बूसेटम और बॉटनिकल गार्डन से एकत्रित और विश्लेशित किया गया। 4 विभिन्न चिह्नकों के 2 बांस प्रजातियों (बेम्बूसा पॉलीमोर्फा और बम्बूसा टुल्डा) के 08 अनुक्रम कों एनसीबीआई में प्रस्तुत किए गए। पांच अलग–अलग बारकोडिंग मार्करों के साथ 03 बांस प्रजातियों (डेंड्रोकैलेमस गिगेंटस और स्किज़ोस्टैचियम डुल्लूआ) को पीसीआर प्रवर्धित किया गया और सफलतापूर्वक अनुक्रमित किया गया।

- विविध वन प्रकारों से चयनित वनस्पति प्रजातियों के बीज परीक्षण और बीज भंडारण प्रोटोकॉल विकसित करनाः निम्नलिखित प्रजातियों के बीज भंडारण और अंकुरण दर को 5°C और 15°C भंडारण तापमान पर सफलतापूर्वक संग्रहीत किया गया और उनकी बीज जीवनक्षमता को बढ़ाया गया। टूना साइनेंसिस का अंकुरण दर 12 महीनों में 5°C पर 74% और 15°C पर 66% रही। *टेरोस्पर्मम एसरीफोलियम* का अंकुरण दर 21 महीनों में परिवेशीय तापमान (आरटी) पर अंकुरण दर 90% और 5°C पर 95ः रही। सूगा डुमोसा का 12 महीनों में 5°C पर अंकुरण दर 50% और 15°C पर 40% रही। *अलनस निटिडा* का अंकुरण दर 12 महीनों में 5°C पर 30% और 15°C पर 20% रही है। *अल्बिजिया ओडोरैटिसिमा* का 27 महीनों में अंकुरण दर 5°C पर 65% और 15°C पर 20% रही।

- बांस पर अखिल भारतीय समन्वित परियोजनाः– *ऑचलैंड्रा स्क्रिप्टोरिया* के बीजों का वर्मीक्यूलाइट, क्वार्टजाइट रेत और कोको पीट माध्यम का उपयोग करके अंकुरण परीक्षण किया गया। वर्मीक्यूलाइट माध्यम में उच्चतम अंकुरण क्षमता और पौधों की वृद्धि देखी गई। *डेंड्रोकेलामस स्ट्रिक्टस* (8% नमी सामग्री पर), 'बम्बूसा बम्बोस' (7% और 10% नमी सामग्री) के संग्रहित बीजों का अंकुरण परीक्षण किया गया, जिसमें पौधों की अंकुरण दर क्रमशः 77%, 84% और 87% पाई गई।

भा.वा.अ.शि.प.-वन अनुवांशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयंबटूर

- तमिलनाडु के अनामलाई टाइगर रिजर्व में संरक्षण के लिए प्राथमिकता वाली प्रजातियां *डिप्टरोकार्पस बोर्डिलोनाई* (गंभीर रूप से संकटग्रस्त), *एंटीस्ट्रोफिसेर्टिफोलिया* (असुरक्षित), *फिलांथस एनामालयनस* (गंभीर रूप से संकटग्रस्त) और *साइकोट्रिया एनामल्लायाना* (संकटग्रस्त) जैसी पुनः सूचीबद्ध पौधों की प्रजातियों की आबादी स्थिति का आकलन किया गया है। तमिलनाडु के अन्नामलाई टाइगर रिजर्व के विभिन्न वन क्षेत्रों में *डिप्टेरोकार्पस बोर्डिलोनी* की लगभग 36 प्रजातियाँ, *फिलांथस एनामालयनस* की 57 प्रजातियाँ, *साइकोट्रिया एनामालयाना* की 168 प्रजातियाँ और *एंटीस्ट्रोफी सेराटिफोलिया* की 73 प्रजातियाँ दर्ज की गई हैं। इनके पुष्पन, फलन, पुनर्जनन तथा इन पादप प्रजातियों की खतरों के बारे में भी जानकारी दर्ज की गई।

- *मिट्रैग्ना पार्विफोलिया* में संपूर्ण ट्रांसक्रिप्टोम अध्ययन नए माइक्रोसैटेलाइट प्राइमरों को विकसित करने और डिजाइन करने के लिए किया गया। नए माइक्रोसैटेलाइट प्राइमरों को प्राइमर 3 प्लस सॉफ्टवेयर

का उपयोग करके *मिट्रैग्ना पार्विफोलिया* के ट्रांसक्रिप्टोम अनुक्रम से डिजाइन किया गया था। शुरू में संश्लेषण के लिए दस प्राइमर डिजाइन किए गए थे। विकसित एसएसआर प्राइमर रूपांकनों में 3 डाय और 7 ट्राई रिपीट थे जैसे (एजी) 7, (सीटी) 11, (एसी) 14, (एजीए) 6, (टीजीए) 5, (कैट) 8, (टीएए) 5, (टीसीसी) 6, (एएजी) 6, (जीएटी) 6। इन प्राइमरों की लंबाई 20 बीपी थी और जीसी सामग्री 45: से 50: थी। उत्पाद का आकार 170 बीपी से 250 बीपी तक था। ये एस.एस.आर. प्राइमर *मिट्रैग्ना पार्विफोलिया* में आनुवंशिक विविधता और आबादी संरचना विश्लेषण के लिए उपयोगी होंगे।

परामर्शी

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्, देहरादून

नई परामर्श परियोजनाएं जिन्हें मंजूरी दी गईः

- साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, बिश्रामपुर क्षेत्र, छत्तीसगढ़ की गायत्री यूजी खदान की पर्यावरण मंजूरी शर्तों के अनुपालन की तृतीय पक्ष ऑडिटिंग।
- साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, रायगढ़ क्षेत्र, छत्तीसगढ़ की छाल ओपनकास्ट परियोजना की पर्यावरण मंजूरी शर्तों के अनुपालन की तृतीय पक्ष ऑडिट।
- साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, रायगढ़ क्षेत्र, छत्तीसगढ़ की बरौद ओपनकास्ट परियोजना की पर्यावरण मंजूरी शर्तों के अनुपालन की तृतीय पक्ष ऑडिट।
- साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, रायगढ़ क्षेत्र, छत्तीसगढ़ की गेवरा ओपनकास्ट परियोजना के संचालन की तृतीय पक्ष ऑडिटिंग।

प्रदर्शनी में प्रतिभागिता

भा.वा.अ.शि.प.-वन उत्पादकता संस्थान, रांची

- भा.वा.अ.शि.प.–वन उत्पादकता संस्थान, रांची ने 19 जून 2024 को केंद्रीय टसर अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, रांची द्वारा आयोजित ''60वें स्थापना दिवस'' में भाग लिया और प्रदर्शन स्टॉल लगाया तथा विभिन्न बांस प्रजातियों, बांस नर्सरी तकनीकों के पोस्टर, बांस परिचय और लाख उत्पादन तकनीकों का प्रदर्शन किया।

भा.वा.अ.शि.प.–व.उ.सं., रांची ने केंद्रीयटसर अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, रांची द्वारा आयोजित 60वें स्थापना दिवस समारोह में एक स्टॉल लगाया

भा.वा.अ.शि.प.-वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट

- भा.वा.अ.शि.प.–वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट ने दिनांक 27 जून 2024 को असम कृषि वि वविद्यालय, कालियापाई, टेक, जोरहाट में केवीके, जोरहाट द्वारा आयोजित "कृषि प्रजुक्ति प्रदर्शनी" में भाग लिया और प्रदर्शन स्टॉल लगाया और संस्थानों की अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों का प्रदर्शन किया।

भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं., जोरहाट ने केवीके, जोरहाट द्वारा आयोजित "कृषि प्रजुक्ति प्रदर्शनी" में एक स्टॉल लगाया

कार्यशालाएं/सेमिनार/बैठकें

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्, देहरादून

1.	भू पूनः स्थापन, मरूस्थलीकरण एवं सूखा निवारण	5 जून 2024	भा.व.से., उपमहानिदेशकों, सहायक महानिदेशकों और तकनिकी अधिकारियों सहित 35 प्रतिभागी

भा.वा.अ.शि.प., मुख्यालय ने "भू पूनः स्थापन मरूस्थलीकरण एवं सूखा निवारण" पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया

2.	वर्चुअलमोड के माध्यम से वैज्ञानिकों के मुल्यांकन के लिए प्रारूप को अंतिम रूप दिया जाना	3 जून 2024	भा.वा.अ.शि.प. के वैज्ञानिक
3.	नदी बेसिन के संचयी प्रभाव आंकल्न (सीआई) और वहन क्षमता अध्ययन (सीआईए और सीसीएस) के संबंधस में बैठक	28 जून 2024	सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रतिभागी

भा.वा.अ.शि.प.-काष्ठ विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी संस्थान, बेंगलूरु

4.	सुखा एवं मरूस्थलिकरण निवारण– कर्नाटक के परिपेक्ष में	24 जून 2024	अधिकारियों एवं वैज्ञानिकों सहित 50 प्रतिभागी
5.	काष्ठ आधारित उद्योगों और उत्पादों के लिए पर्यावरणीय स्थिरता	5 जून 2024	अधिकारियों एवं वैज्ञानिकों एवं तकनीकी कर्मचारियों सहित 50 प्रतिभागी

भा.वा.अ.शि.प.– काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरु ने "काष्ठ आधारित उद्योगों और उत्पादों के लिए पर्यावरणीय स्थिरता" पर एक कार्यशाला आयोजित की

भा.वा.अ.शि.प.-जैव विविधता संस्थान, हैदराबाद			
6.	परामर्शी परियोजनाओं का मूल्यांकन	6 जून 2024	निदेशक एवं आंध्रा पेपर लिमिटेड के सदस्य
भा.वा.अ.शि.प.-हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला			
7.	भारत के भीत मरूस्थली क्षेत्रों में औषधीय पौधों की विविधता, वितरण, उपयोग एवं खेती का विकल्प	28 जून 2024	वैज्ञानिक, तकनीकी कर्मचारी, शोध कर्मी सहित 30 प्रतिभागी
भा.वा.अ.शि.प.-नव अनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयंबटूर			
8.	"उच्च आर्थिक लाभ के लिए शुष्क भूमि में नीलगिरी की खेती को लोकप्रिय बनाना तथा ट्रीजीनी ऐप" पर परामर्श बैठक	26 जून 2024	अरियालुरफ के वन विभाग अधिकारी और क्षेत्रीय प्रबंधक, किसान आदि सहित 450 प्रतिभागी

भा.वा.अ.शि.प.– वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयंबटूर ने "उच्च आर्थिक लाभ के लिए शुष्क भूमि में नीलगिरी की खेती को लोकप्रिय बनाना तथा ट्रीजीनी ऐप" पर एक बैठक आयोजित की।

प्रशिक्षण कार्यक्रम

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्, देहरादून			
1.	एफ.सी. के अंतर्गत खनन परियोजनाओं में डायवर्सन स्थितियों के मार्गदर्शक सिद्धांत और कार्यान्वयन रणनीतियाँ	24 से 28 जून 2024	विभिन्न राज्यों के वन विभाग से 15 भा.व.से. अधिकारी
भा.वा.अ.शि.प.-वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून			
2.	एफ.सी.ए परियोजनाओं के संचालन हेतु मार्गदर्शक सिद्धांत	27 से 31 जून 2024	23 भा.व.से. अधिकारी

भा.वा.अ.शि.प., मुख्यालय ने भा.वा.अ.शि.प.-व.उ.सं., रांची में "एफ. सी. के तहत खनन परियोजनाओं में डायवर्सन स्थितियों के मार्गदर्शक सिद्धांत और कार्यन्वयन रणनिति" पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया

भा.वा.अ.शि.प.-व.अ.सं., देहरादून ने एफ.सी.ए. परियोजनाओं के संचालन हेतु मार्गदर्शक सिद्धांतों पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया

3.	गुणवत्तायुक्त बीज उत्पादन और नर्सरी तकनीकी	14 जून 2024	उत्तराखंड वानिकी अनुसंधान संस्थान (यूएफआरआई), हल्द्वानी में उत्तराखंड वन विभाग के बीज रेंज के अग्रिम पंक्ति के कर्मचारी

भा.वा.अ.शि.प.-हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला

4.	मृदा परीक्षण आधारित प्रबंधन पद्धतियों को बढ़ावा देना	15 जून 2024	लेह और कारगिल वन विभाग के वन अधिकारियों सहित 25 प्रतिभागी केंद्र भ.प्र. लद्धाख
5.	सतत् आजिविका के रूप में इकोटूरिजम	10 से 14 जून 2024	16 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 25 भा.व.से. अधिकारी

भा.वा.अ.सं.-हि.व.अ.सं., शिमला द्वारा "मृदा परीक्षण आधारित प्रबंधन पद्धतियों को बझ़ावा देना" पर प्ररिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया

भा.वा.अ.शि.प.-हि.व.अ.सं., शिमला द्वारा "सतत् अजिविका के रूप में इकोटूरिजम" पर प्रक्षिण कार्यक्रम आयोजित किया

6.	महत्वपूर्ण शीत मरूस्थली पौधों की खेती और संरक्षण	12 से 14 जून 2024	एन.आई.एस.आर., लेह से 30 हितधारक प्रशिक्षु

भा.वा.अ.शि.प.–हि.व.अ.सं., शिमला द्वारा "महत्वपूर्ण शीत मरूस्थली पौधों की खेती और संरक्षण" पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया

भा.वा.अ.शि.प.-वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट

7.	बांस से कोयला और ब्रिकेट तैयार करना	10 से 15 जून 2024	भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं., डेमो गॉव, चारिंगिया गॉव और भोगमुख, जोरहाट से 6 प्रतिभागी
8.	बांस एवं मूल्य वर्धित उत्पाद पर आजीविका एवं उद्यम विकास कार्यक्रम	26 से 27 जून 2024	हब बोस्को संस्थान, बागचुंग, जोरहाट से 30 महिला प्रतिभागी

भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं., जोरहाट द्वारा "बांस से कोयला और ब्रिकेट तैयार करना" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया

भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं., जोरहाट द्वारा "बांस एवं मुल्य वर्धित उत्पाद पर आजीविका एवं उद्यम विकास कार्यक्रम" पर परिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया

भा.वा.अ.शि.प.-काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलूरु

9.	काष्ठ विज्ञान एवं तकनीकी	24 से 5 जुलाई 2024	स्वाट्स, नैनी, प्रयागराज से 14 प्रतिभागी

भा.वा.अ.शि.प.–का.वि.प्रौ.सं., बेंगलूरू द्वारा "काष्ठ विज्ञान एवं तकनीकी" पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया

10.	बांस का संरचनात्मक डिजाइन	4 जून 2024	सिविल इंजीनियर, आर्किटेक्ट तथा सलाहकार सहित 40 प्रतिभागी
	भा.वा.अ.शि.प.-उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर		
11.	आपदा प्रबंधन	20 जून 2024	जूनियर प्रोजेक्ट फेलो सहित 7 कर्मचारी
12.	वन नर्सरियों में कीटों की पहचान और उनका प्रबंधन	12 से 13 जून 2024	38 नर्सिंग स्टाफ जिसमें वन अधिकारी भी सम्मिलित, मध्य प्रदेश राज्य वन विकास निगम लिमिटेड, मोहगांव परियोजना प्रभाग, मंडला, मध्य प्रदेश

भा.वा.अ.शि.प.– उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर ने "वन नर्सरियों में कीटों की पहचान और उनका प्रबंधन" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया

	भा.वा.अ.शि.प.-वन उत्पादकता संस्थान, रांची		
13.	साइलेज बनाने की विधि – साइलेज बनाने की प्रक्रिया, उसका रखरखाव और उपयोग	21 जून 2024	चिहरुजोत गांव, खोरीबारी, सिलीगुड़ी के 30 किसान

वन विज्ञान केन्द्र के तहत गतिविधियाँ

भा.वा.अ.शि.प.-उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर

- भा.वा.अ.शि.प.– उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर ने दिनांक 4 जून 2024 को वन विज्ञान केंद्र चंद्रपुर, महाराष्ट्र में "प्रदर्शन बोर्ड की स्थापना हेतु चिन्हित आशाजनक लक्षणों" पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में एम.एस., चंद्रपुर के राज्य वन विभाग से 3 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

भा.वा.अ.शि.प.-काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलूरु

- बागलकोट के 80 किसानों ने दिनांक 19 जून 2024 को केवीके, बागलकोट में भा.वा.अ.शि.प.–काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरु द्वारा आयोजित "चंदन आधारित कृषि वानिकी मॉडल और इसके स्वास्थ्य" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभाग किया।

भा.वा.अ.शि.प.–काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरु ने वन विज्ञान केंद्र के तहत ''चंदन आधारित कृषि वानिकी मॉडल और इसके स्वास्थ्य'' पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया।

भा.वा.अ.शि.प.- हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला

- भा.वा.अ.शि.प.–हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला ने दिनांक 2 जून 2024 को वन विज्ञान केंद्र के तहत हिमाचल प्रदेश के लोंगी, धरमपुर के निकट तरयामला में एक कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम में

लोंगी, धरमपुर के आस–पास के क्षेत्र से लगभग 15 लोगों ने प्रतिभाग किया। उन्हें वानिकी गतिविधियों के माध्यम से पानी की बचत और बावरी/बावड़ियों के पुनरुद्धार और उनके सतत् प्रबंधन के बारे में जागरूक किया गया।

लोंगी, धरमपुर के 15 प्रतिभागियों को भा.वा.अ.शि.प.-हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला द्वारा वानिकी गतिविधियों के माध्यम से जल संरक्षण और बावरी/बावड़ियों के पुनरुद्धार के बारे में जागरूक किया गया।

समझौता ज्ञापन

भा.वा.अ.शि.प.-काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलूरु

- दिनांक 5 जून 2024 को भा.वा.अ.शि.प.–काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरु और सेंटर फॉर ग्रीन बिल्डिंग मैटेरियल्स एंड टेक्नोलॉजी, बेंगलुरु के बीच प्रकृति आधारित समाधानों में अनुसंधान, प्रतिरक्षण, कौशल, कार्यान्वयन और क्षेत्रीय विकास तथा काश्ठ, बांस और वन आधारित उत्पादों में सामाजिक–आर्थिक और सांस्कृतिक विकास के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

भा.वा.अ.शि.प.–काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरु और सेंटर फॉर ग्रीन बिल्डिंग मैटेरियल्स एंड टेक्नोलॉजी, बेंगलुरु के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

भा.वा.अ.शि.प.- हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला

- वानिकी अनुसंधान पर्यावरण संरक्षण, शिक्षा और विस्तार से संबंधित विभिन्न गतिविधियों में सहयोग के लिए दिनांक 6 जून 2024 को भा.वा.अ.शि.प.–हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला और कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस गवर्नमेंट कॉलेज, संजौली, शिमला के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

भा.वा.अ.शि.प.–हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला और कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस गवर्नमेंट कॉलेज, संजौली, शिमला के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

- भा.वा.अ.शि.प.–हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला और राष्ट्रीय सोवा रिग्पा संस्थान, लेह, लद्दाख के बीच दिनांक 15 जून 2024 को समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए, जिसका उद्देश्य समशीतोष्ण और भीत मरूस्थली क्षेत्र के औषधीय पौधों पर अध्ययन से संबंधित गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान को आगे बढ़ाना और पर्यावरण, जैव संसाधन, कौशल विकास और आजीविका के अवसरों पर ध्यान केंद्रित करते हुए रोजगार और आर्थिक विकास के नए अवसर प्रदान करना है।

भा.वा.अ.शि.प.–हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला और राष्ट्रीय सोवा रिग्पा संस्थान, लेह, लद्दाख के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

- भा.वा.अ.शि.प.–हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला और शूलिनी इंस्टीट्यूट ऑफ लाईफ साइंस एंड बिजनेस मैनेजमेंट, सोलन, हिमाचल प्रदेश के बीच दिनांक 25 जून 2024 को गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान करने और

रोजगार और आर्थिक विकास के लिए पूरी तरह से नए अवसर प्रदान करने के लिए उच्च कुशल मानव संसाधन की एक नई पीढ़ी को तैयार करने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए, जिसमें उत्तर पश्चिम हिमालय क्षेत्र में पर्यावरण, जैव संसाधन, कौशल विकास, जीवन स्तर, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, जैव प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य और उच्च जीवन शैली पर ध्यान केंद्रित किया गया।

भा.वा.अ.शि.प.–हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला और शूलिनी इंस्टीट्यूट ऑफ लाइफ साइंस एंड बिजनेस मैनेजमेंट, सोलन के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

भा.वा.अ.शि.प.-वन उत्पादकता संस्थान, रांची

- भा.वा.अ.शि.प.–वन उत्पादकता संस्थान, रांची और दामोदर वैली कॉरपोरेशन, कोडरमा थर्मल पावर स्टेशन, कोडरमा झारखंड के बीच दिनांक 6 जून 2024 को "कोडरमा थर्मल पावर स्टेशन में राख तालाब क्षेत्र के आसपास हरित आवरण विकास" के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

भा.वा.अ.शि.प.–वन उत्पादकता संस्थान, रांची और दामोदर वैली कॉरपोरेशन, कोडरमा थर्मल पावर स्टेशन, कोडरमा, झारखंड के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

- भा.वा.अ.शि.प.–वन उत्पादकता संस्थान, रांची और स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड, मेघाहातुबुरु, पश्चिमी सिंहभूमि, झारखंड के बीच दिनांक 10 जून 2024 को "वानिकी गतिविधियों के माध्यम से मेघाहातुबुरु लौह अयस्क खदान के 40 हेक्टेयर खनन क्षेत्र के पुनरूद्धार" के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

भा.वा.अ.शि.प.–वन उत्पादकता संस्थान, रांची और स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड, मघाहातुबुरु, पश्चिमी सिंहभूम, झारखंड के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

भा.वा.अ.शि.प.-वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट

- दिनांक 28 जून 2024 को भा.वा.अ.शि.प.–वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट और ए.आई.ई. अर्थ इनिशिएटिव्स प्राइवेट लिमिटेड के बीच ईंट भट्टे का उपयोग करके बांस चारकोल और उसके उत्पादों के उत्पादन के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

भा.वा.अ.शि.प.–वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट और ए.आई.ई. अर्थ इनिशिएटिव्स प्राइवेट लिमिटेड के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए

जागरूकता एवं प्रदर्शन कार्यक्रम

भा.वा.अ.शि.प.-काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलूरु

- महारानी लक्ष्मी अम्मसनी महिला महाविद्यालय, बेंगलुरु और वानिकी महाविद्यालय, पोन्नमपेट, कोडुगु के 83 छात्रों ने संकाय सदस्यों के साथ दिनांक 11, 24 और 25 जून 2024 को भा.वा.अ.शि.प.–काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरु में ऊतक संवर्धन प्रयोगशाला, काष्ठ कार्यशाला, उन्नत काष्ठ प्रशिक्षण केंद्र, काष्ठ एनाटॉमी प्रयोग ाला, यूटीएम प्रयोगशाला और जाइलरियम का दौरा किया।

वानिकी कॉलेज, पोन्नमपेट और महारानी के छात्र लक्ष्मी अम्मसानी कॉलेज, बेंगलुरु ने भा.वा.अ.शि.प.–काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरु का दौरा किया

- तमिलनाडु वन विभाग के 33 क्षेत्रीय वन अधिकारियों ने दिनांक 29 जून 2024 को भा.वा.अ.शि.प.–काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरु का दौरा किया। उन्हें काष्ठ के गुणों और प्रसंस्करण और चंदन की खेती और इसकी संभावनाओं के बारे में जानकारी दी गई।
- केलाडी शिवप्पा नायक कृषि एवं बागवानी विज्ञान विश्वविद्यालय, पोन्नमपेट के 35 प्रतिभागियों ने दिनांक 24 से 25 जून तक भा.वा.अ.शि.प.–काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरु का दौरा किया।

भा.वा.अ.शि.प.-उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर

- श्री आत्मा राम इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी, जबलपुर के 45 प्रतिभागियों ने दिनांक 26 जून 2024 को भा.वा.अ.शि.प.–वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर का दौरा किया। उन्हें संस्थान के संग्रहालय सह व्याख्या केंद्र में प्रदर्शित भा.वा.अ.शि.प.–उ.व.अ.सं., जबलपुर के तकनीकियों के बारे में बताया गया।

आत्मा राम इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी, जबलपुर के छात्रों ने भा.वा.अ.शि.प.–वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर का दौरा किया

भा.वा.अ.शि.प.-जैव विविधता संस्थान, हैदराबाद

- कृषि विज्ञान विद्यालय, मल्ला रेड्डी विश्वविद्यालय, हैदराबाद के 361 छात्रों के एक समूह ने संकाय सदस्यों के साथ भा.वा.अ.शि.प.–जैव विविधता संस्थान, हैदराबाद द्वारा दिनांक 11, 13, 14, 18, 20 और 21 जून 2024 को हैदराबाद परिसर में आयोजित 'वानिकी विस्तार' पर जागरूकता कार्यक्रम में प्रतिभाग किया।

मल्ला रेड्डी विश्वविद्यालय हैदराबाद के छात्रों ने भा.वा.अ.शि.प.–जैव विविधता संस्थान, हैदराबाद द्वारा आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में भाग लिया

- तेलंगाना राज्य वन अकादमी के 34 वन बीट अधिकारियों ने दिनांक 27 जून, 2024 को भा.वा.अ.शि.प.–जैव विविधता संस्थान, हैदराबाद का दौरा किया।

तेलंगाना राज्य वन अकादमी के 34 वन बीट अधिकारियों ने भा.वा.अ.शि.प.–जै.वि.सं., हैदराबाद का दौरा किया

भा.वा.अ.शि.प.-वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयंबटूर

- एस.आर.एस. कृषि एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, डिंगीगुल और डॉन बॉस्को कृषि महाविद्यालय, रानीपेट के 242 छात्रों ने संकाय सदस्यों के साथ दिनांक 20 जून 2024 को भा.वा.अ.शि.प.–वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयंबटूर का दौरा किया। उन्हें संस्थान की अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों के बारे में जानकारी दी गई।

एस.आर.एस. कृषि एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, डिंगीगुल के छात्रों ने भा.वा.अ.शि.प.– वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयंबटूर का दौरा किया

- तमिलनाडु वन विभाग के 64 वन रक्षकों ने दिनांक 24 जून 2024 को को भा.वा.अ.शि.प.–वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयंबटूर का दौरा किया। उन्हें मदर बेड चौंबर, शेड हाउस और मास मल्टीप्लिकेशन के लिए आवश्यक आवश्यकताओं के बारे में जानकारी दी गई।

तमिलनाडु वन विभाग के 64 वन रक्षकों ने भा.वा.अ.शि.प.–वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयंबटूर का दौरा किया

राजभाषा गतिविधि

- भा.वा.अ.शि.प.–वन उत्पादकता संस्थान, रांची ने दिनांक 25 जून 2024 को "फ़ाइल प्रबंधन, रिकॉर्ड रखरखाव और कार्यालय प्रचालन" पर एक हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया।

- भा.वा.अ.शि.प.–वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट ने दिनांक 25 जून 2024 को "तिमाही राजभाषा कार्यान्वयन समिति" पर एक हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया।

भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं.,जोरहाट ने "तिमाही राजभाषा कार्यान्वयन समिति" पर एक हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया

- भा.वा.अ.शि.प.–वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट ने दिनांक 6 से 11 और 28 जून 2024 तक "कंठस्थ 2.0 अनुवाद टूल" पर एक हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला में संस्थान के अधिकारियों, तकनीकी और प्रशासनिक कर्मचारियों और भा.वा.अ.शि.प.–बांस एवं रत्न केंद्र, आइजॉल सहित 80 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

भा.वा.अ.शि.प.–वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट ने "कंठस्थ 2.0 अनुवाद टूल" पर एक हिंदी कार्यशाला का आयोजन किय

संस्थानों का दौरा

- नागालैंड के लोगों के एक समूह ने श्री एओ सनेन पोंगेन क्लोंग के नेतृत्व में एम्प्रेटेक इंडिया फाउंडेशन के राष्ट्रीय निदेशक श्री अर्नब चक्रवर्ती के साथ दिनांक 13 जून 2024 को वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट के बांस नर्सरी, बेम्बुसेटम, बांस संयोजन केंद्र, बांस चारकोल इकाई, बांस उपचार इकाई और बाह बिथिका का दौरा किया।

एम्प्रेटेक इंडिया फाउंडेशन, नागालैंड के गणमान्य व्यक्तियों ने भा.वा.अ.शि.प.–वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट का दौरा किया

- श्रीमती कंचन देवी, भा.व.से., महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प., देहरादून ने दिनांक 22 से 28 जून 2024 तक भा.वा.अ.शि.प.–वन उत्पादकता संस्थान, रांची का दौरा किया। श्रीमती कंचन देवी, भा.व.से., महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प., देहरादून ने दिनांक 25 जून 2024 को भा.वा.अ.शि.प.–व.उ.सं., रांची में 'एफ.सी.ए. के तहत खनन परियोजनाओं में डायवर्सन स्थितियों के मार्गदर्शक सिद्धांत और कार्यान्वयन रणनीति' पर एक सप्ताह के अनिवार्य प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का उद्घाटन किया और बोधगया में पवित्र बोधि वृक्ष के रखरखाव और स्वास्थ्य मूल्यांकन के लिए किए जा रहे परामर्श कार्य की समीक्षा करने के लिए बोधगया मंदिर का भी दौरा किया।

श्रीमती कंचन देवी, भा.व.सें., महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प., देहरादून ने भा.वा.अ.शि.प.–व.उ.सं., रांची का दौरा किया।

विविध

- भा.वा.अ.शि.प.–वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून ने दिनांक 5 जून 2024 को पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता और कविता पाठ का आयोजन किया। कार्यक्रम में भा.वा.अ.शि.प.–वन अनुसंधान संस्थान के छात्रों और अधिकारियों ने प्रतिभाग किया।

भा.वा.अ.शि.प.–वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून ने चित्रकला एवं कविता पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया

मानव संसाधन समाचार

प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त

अधिकारी का नाम	दिनांक
श्रीमती अनिता, भा.व.से., वन संरक्षक, भा.वा.अ.शि.प.–उ.व.अ.संस्थान, जबलपुर	24.06.2024

स्थानांतरण

अधिकारी का नाम	दिनांक
डॉ. विनोद कुमार, मु.त.अ. भा.वा.अ.शि.प.–हि.व.अ.सं., शिमला से ग्रीन केडिट सेल, भा.वा.अ.शि.प.(मु.) देहरादून	07.06.2024

पदोन्नति

अधिकारी का नाम	दिनांक
श्री सरदार सिंह चौहान वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, सचिव कार्यालय, भा.वा.अ.शि.प., देहरादून	07.06.2024
श्री बृजेश कुमार भार्मा, भा.वा.अ.शि.प	21.06.2024
श्री संजीव खुगशाल, भा.वा.अ.शि.प.–व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बटूर	01.07.2024

प्रत्यावर्तन

अधिकारी का नाम	दिनांक
श्री एम.आर. बलोच, भा.व.से. (प.बं.:1990) वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, निदेशक, भा.वा.अ.शि.प.–शु.व.अ.सं., जोधपुर	06.06.2024

संरक्षक:

श्रीमती कंचन देवी, महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प, देहरादून

संपादक मंडल:

डॉ. सुधीर कुमार, उप महानिदेशक (विस्तार), अध्यक्ष
डॉ. गीता जोशी, सहायक महानिदेशक (मीडिया एवं विस्तार), मानद सम्पादक
डॉ. विश्वजीत शर्मा, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी, सदस्य

हिन्दी संस्करण:

श्री शंकर शर्मा, सहायक निदेशक (राजभाषा), सदस्य

सहायक:

श्री प्रिंस, तकनीकी सहायक (मीडिया एवं विस्तार)

प्रत्याख्यान:

- केवल निजी रूप से प्रसारण करने हेतु।
- वानिकी समाचार में प्रकाशित सामग्री, संपादक मंडल के विचारों को अनिवार्यतः प्रतिबिंबित नहीं करती हैं।
- यहाँ प्रकाशित सूचना के लिए किसी भी प्रकार के नुकसान की भरपाई के लिए भा.वा.अ.शि.प. उत्तरदायी नहीं होगा।